Postal Registration No. VAL/092/2014-16

संघप्रदेश दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सवेरा इंडिया टाइम्स

स्टार बनाने की जगह सभी खिलाड़ियों को महत्व दें - गंभीर 7

मुख्यमंत्री विरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत हुआ प्राइवेट अस्पताल में निःशुल्क इलाज 2

सीएसआईआर-सीरी में 70वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

झुंझुनूं। जिले के पिलानी स्थित भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन सेवारत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की पिलानी, राजस्थान स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के 70वें स्थापना दिवस का आयोजन, 21 सितंबर, 2022 को किया गया। इस अवसर पर आईआईटी-दिल्ली के इमेरिटस प्रोफेसर डॉ चंद्रशेखर मुख्य अतिथि थे। आईआईएससी-बैंगलुरू के प्रोफेसर समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। आयोजन की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व व वर्तमान सहकर्मियों के अलावा पूर्व निदेशक डॉ चंद्रशेखर, बिट्स पिलानी के रजिस्ट्रार कर्नल सौम्य चक्रवर्ती, स्थानीय शिक्षण व अन्य संस्थानों के गणमान्य अतिथिवों तथा मीडिया कर्मियों के अतिरिक्त पिलानी के नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ परम्परागत रूप से अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन से हुआ जिसके बाद सीरी महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई। अतिथियों का स्वागत गुलदस्ता भेंट कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने संस्थान के सहकर्मियों को 70वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने अथक परिश्रम द्वारा संस्थान को उपलब्धियाँ अर्जित करने के लिए सभी पूर्व निदेशकों व पूर्व कार्मिकों के साथ वर्तमान सहकर्मियों को साधुवाद दिया। अपने स्थापना दिवस उद्बोधन में उन्होंने कहा कि में विज्ञान व प्रौद्योगिकी में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं और हमारे लिए भी स्वयं को उसके अनुसार बदलना या अपडेट करना अनिवार्य है। अपने संबोधन में उन्होंने जनशक्ति के उचित प्रबंधन के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने डॉ पंचारिया की ऊर्जा व नवोन्मेषी विचारों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सीरी संस्थान की शोध व विकास सुविधाओं के उन्नयन का जो बीड़ा उठाया है उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि शोध एवं विकास के लिए देश में धनराशि की कोई कमी नहीं है और नवाचारी विचारों का हर स्तर पर स्वागत किया जाता है। संस्थान की वैज्ञानिक जनशक्ति की प्रशंसा की। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी तथा सीरी के निदेशक व सभी कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजन्ना ने इस अवसर पर स्वयं को आमंत्रित करने के लिए सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पंचारिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-सीरी के स्थापना दिवस पर यहाँ आकर मुझे सुखद अनुभूति हुई है। उन्होंने डॉ पंचारिया के नेतृत्व में सीएसआईआर-सीरी में चल रहे शोध कार्यों की प्रशंसा की। अंत में उन्होंने सीरी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सीरी परिवार के सभी साथियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया और सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों और संस्थान के सहकर्मियों को अतिथियों का परिचय दिया। उन्होंने संस्थान द्वारा गतवर्ष के दौरान अर्जित विशिष्ट उपलब्धियों तथा वर्तमान में जारी शोध परियोजनाओं की जानकारी दी और भविष्य की योजनाओं का रोडमैप प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में प्रौद्योगिकीय परिदृश्य निर्णायक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है और बदलते हुए इस परिदृश्य के कारण संस्थान से अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। अपने संबोधन में उन्होंने विगत वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों व पूर्ण की गई परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित इनोवेशन-सह-इन्क्यूबेशन केन्द्र में जारी शोध एवं अन्य गतिविधियों की भी जानकारी दी। उन्होंने संस्थान के उद्देश्यों की प्राप्ति में चेन्नै व जयपुर केंद्र सहित अपने सभी वैज्ञानिक साथियों के योगदान की सराहना की तथा पूर्व निदेशकों व सहकर्मियों के योगदान को भी याद किया। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों व सहकर्मियों को स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामना दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने सहकर्मियों को डॉ अमरजीत सिंह मेमोरियल स्थापना दिवस पुरस्कारों से सम्मानित किया। साथ ही संस्थान में 10, 20, 30 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले सहकर्मियों को सेवा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पंचारिया ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इससे पूर्व डॉ चंद्रशेखर एवं प्रोफेसर राजन्ना ने संस्थान की शोध गतिविधियों से संबंधित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदर्शनी के लिए सभी वैज्ञानिकों एवं अन्य साथियों की प्रशंसा की तथा डॉ पंचारिया को उनके नेतृत्व के लिए साधुवाद दिया। अंत में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ अभिजीत कर्माकर ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी अतिथियों का संस्थान में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया तथा आयोजन की सफलता के लिए निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। मुख्य कार्यक्रम का संचालन संस्थान के प्रधान वैज्ञानिकों डॉ विपांत एवं डॉ अदिति ने किया। सांयकाल में अतिथियों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें झुंझुनूं के सुप्रसिद्ध सांस्कृतिक ग्रुप डेजर्ट चौपाटी के कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोकगीतों एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना की। सांस्कृतिक संध्या के मुख्य अतिथि ने कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।